अनुक्रमांक/Roll No. | 0 | 0 | 0 | | | |

कुल प्रश्नों की संख्या : 50
Total No. of Questions : 50

मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 16
No. of Printed Pages : 16

Suitability Test– 2021
2nd QUESTION PAPER-*Cum*-ANSWER SHEET

समय – 3:00 घण्टे (प्रथम प्रश्न पत्र के साथ ही)
Time Allowed – 3:00 Hours (Including 1st Que. Paper)

पूर्णांक – 50
Total Marks – 50

निर्देश : –
Instructions :-

1. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। सभी प्रश्न के अंक समान हैं। ऋणात्मक मूल्यांकन नहीं किया जायेगा।
2. प्रश्न पत्र में प्रश्नों की निर्धारित संख्या 50 हैं । परीक्षार्थी आश्वस्त हो लें कि उसके प्रश्न–पत्र में निर्धारित संख्या में प्रश्न मुद्रित है, अन्यथा वह दूसरा प्रश्न पत्र मांग लें ।
3. प्रश्न पत्र के आवरण पृष्ठ पर प्रश्न–पत्र में लगे पृष्ठों की संख्या दी गई हैं। परीक्षार्थी आश्वस्त हो लें कि उसके प्रश्न–पत्र में निर्धारित संख्या में पृष्ठ लगे हैं, अन्यथा वह दूसरा प्रश्न–पत्र मांग लें ।
4. प्रदत्त उत्तर शीट पर दिये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें तथा अपने उत्तर तदनुसार अंकित करें।
5. कृपया उत्तरशीट पर निर्धारित स्थानों पर निर्धारित प्रविष्टियां कीजिये, अन्य स्थानों पर नहीं ।
6. यदि किसी प्रश्न में किसी प्रकार की कोई मुद्रण या तथ्यात्मक प्रकार की त्रुटि हो, तो प्रश्न के हिन्दी तथा अंग्रेजी रूपांतरों में से अंग्रेजी रूपांतर मानक माना जायेगा।
7. प्रथम पृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर ही अनुक्रमांक अंकित करें। इस पुस्तिका में निर्दिष्ट स्थान के अतिरिक्त किसी स्थान पर अपना नाम या अनुक्रमांक अथवा कोई क्रमांक या पहचान का कोई निशान अंकित करना जिससे कि परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका को अन्य उत्तर पुस्तिकाओं से अलग पहचाना जा सके, सर्वथा प्रतिषिद्ध है और अन्य आधारों के अतिरिक्त, उसकी अभ्यर्थिता निरस्त किये जाने का आधार होगा।
8. सभी उत्तरों की लिखावट स्पष्ट और पठनीय होना आवश्यक है। किसी परीक्षार्थी के द्वारा लिखी गई उत्तर–पुस्तिका की लिखावट यदि मूल्यांकनकर्त्ता के मत में अस्पष्ट या अपठनीय होगी तो ऐसी उत्तरपुस्तिका का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा।

The Code of Civil Procedure, 1908

प्र.क्र.1– किसी वाद में "प्रत्यक्षतः और सारतः विवाद्य" विषय से क्या तात्पर्य है? स्पष्ट करें।

What is meant by a matter "directly and substantially in issue" in any suit? Explain.

उत्तर–

....

....

....

प्र.क्र.2 – लोक न्यूसेंस और लोक पर प्रभाव डालने वाले अन्य दोषपूर्ण कार्यों के लिए कौन वाद ला सकता है?

Who may sue for public nuisance and other wrongful acts affecting the public ?

उत्तर–

....

....

....

प्र.क्र.3– जहाँ वादी अपने दावे के किसी भाग के बारे में वाद लाने का लोप करता है या उसे साशय त्याग देता है वहाँ उसके पश्चात् क्या वह इस प्रकार लोप किए गए त्यक्त भाग के बारे में पुनःवाद ला सकता है ?

Where a plaintiff omits to sue in respect of, or intentionally relinquishes, any portion of his claim, afterwards, whether he can sue in respect of the portion so omitted or relinquished ?

उत्तर–

....

....

....

प्र.क्र.4– क्या अपील या पुनरीक्षण न्यायालय, वाद में पारित डिक्री को अपास्त करने के पश्चात् आदेश 7 नियम 10 (1) सि. प्र. स. के अधीन वादपत्र के लौटाए जाने का निर्देश दे सकता है ?–

Whether a court of appeal or revision may direct, after setting aside the decree passed in a suit, the return of the plaint, under order 7 rule 10 (1) C.P.C.?

उत्तर–

....

....

....

प्र.क्र.5– पक्षकार द्वारा प्रस्तुत हस्ताक्षरित रजिस्टर्ड पता विषय के अंतिम निर्धारण पश्चात् कितने वर्ष तक प्रभावशील माना जाता है?

Signed registered address furnished by the party holds good for how many years after the final determination of the cause or matter?

उत्तर–

....

....

....

प्र.क्र.6– क्या पक्षकारों की सहमति से न्यायालय द्वारा पारित की गई डिक्री की अपील हो सकती है? यदि हाँ तो सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 के किस प्रावधान के अंतर्गत ?

Whether appeal shall lie from a decree passed by the court with the consent of the parties ? If yes, under which provision of the Code of Civil Procedure, 1908.

उत्तर–

....

....

....

प्र.क्र.7– क्या एकपक्षीय पारित डिक्री के विरूद्ध प्रस्तुत अपील वापस लेने पश्चात् एक पक्षीय डिक्री को अपास्त करने हेतु विचारण न्यायालय के समक्ष आवेदन प्रस्तुत किया जा सकता है?
Can an application be filed before the Trial Court for setting aside *ex-parte* decree after withdrawal of appeal filed against *ex-parte* decree?

उत्तर–

....

....

....

The Limitation Act

(Section 3, 5 to 14, 27, & 29, Articles 64, 65 & 137)

प्र.क्र.8– हक के आधार पर स्थावर संपत्ति या उसमें से किसी हित के कब्जों के लिए वाद प्रस्तुति हेतु परिसीमा काल कितना है? और वह काल कब से चलना आरम्भ होता है?
What is the period of limitation for filing a suit for possession of immovable property or any interest therein based on title and when the time period begins to run?

उत्तर–

....

....

....

प्र.क्र.9– कोई आवेदन जिसके लिए परिसीमा अधिनियम, 1963, की अनुसूची में कोई परिसीमा काल उपबंधित नही है, वहाँ ऐसे आवेदन प्रस्तुत करने के लिए परिसीमा काल क्या होगा?–
Any application for which no period of limitation is provided elsewhere in the schedule of the Limitation Act, 1963 then what is the period of limitation for presenting such an application?

उत्तर–

....

....

....

The Specific Relief Act

(Chapter I-Section 5, 6, 7 & 8, Chapter VI-Section 34 & 35, Chapter VIII –Section 38 & 41)

प्र.क्र.10– क्या स्थावर संपत्ति से बेकब्जा किए गए व्यक्ति द्वारा विनिर्दिष्ट अनुतोष अधिनियम, 1963, की धारा 6 के अधीन सरकार के विरूद्ध वाद संस्थित किया जा सकता है?–

Whether a person dispossessed of immoveable property can file a suit against the government under section 6 of the Specific Relief Act, 1963?

उत्तर–

....

....

....

प्र.क्र.11– क्या धारा 6 विनिर्दिष्ट अनुतोष अधिनियम, 1963 के अंतर्गत संस्थित वाद में पारित डिक्री के विरूद्ध अपील की जा सकती है?

Can an appeal be filed from any decree passed in any suit instituted under Section 6 Specific Relief Act, 1963 ?

उत्तर–

....

....

....

The Motor Vehicle Act, 1988

(Section 140,163-A and 166)

प्र.क्र.12– मोटर यान अधिनियम की धारा 140 के अंतर्गत त्रुटि न होने के सिद्धांत पर प्रतिकर प्राप्त करने के लिए दावाकर्ता को क्या दर्शित करना आवश्यक है?

Under Section 140 of the Motor Vehicles Act, what the claimant needs to show for getting compensation on the principle of no fault?

उत्तर–

....

....

....

प्र.क्र.13– *नेशनल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड वि. प्रणय सेठी, (2017) 16 एससीसी 680* के निर्णयानुसार निर्धारित संपदा हानि की राशि में कितने वर्ष पश्चात कितने प्रतिशत की वृद्धि होगी?

What will be the duration and percentage of increment in quantum of loss of estate as decided in the case of ***National Insurance Company Ltd. v. Pranay Sethi, (2017) 16 SCC 680***

उत्तर–

....

....

....

The Code of Criminal Procedure, 1973

प्र.क्र.14– क्या गिरफ्तार व्यक्ति को पुलिस पूछताछ के दौरान अपनी पसंद के वकील से मिलने की अनुमति दी जा सकती है? प्रावधान बताएं।

Whether an arrested person can be permitted to meet an advocate of his choice during police interrogation? State the provision in this regard.

उत्तर–

....

....

....

प्र.क्र.15– धारा 41क दण्ड प्रक्रिया संहिता के अधीन सूचना पत्र कब दिया जाता है?

When can a notice under Section 41A Criminal Procedure Code be issued?

उत्तर–

....

....

....

प्र.क्र.16– क्या समन मामले में मजिस्ट्रेट द्वारा अन्वेषण रोका जा सकता है यदि हां, तो कब?

Can investigation be stopped by the Magistrate in summons case? If yes, then when?

उत्तर–

....

....

....

प्र.क्र.17– सेशन न्यायालय द्वारा किस प्रकृति के आदेश के संबंध में पुनरीक्षण की शक्ति का प्रयोग नहीं किया जा सकता है ? प्रावधान सहित बताइये ।

In which type of order, the Sessions Court cannot exercise its power of revision ? Elaborate with provision.

उत्तर–

....

....

....

प्र.क्र.18– किसी अभियुक्त को धारा 436 (1) दण्ड प्रक्रिया संहिता के प्रयोजन हेतु कब निर्धन माना जाता है?

When an accused is considered indigent for the purpose of Section 436 (1) Criminal Procedure Code?

उत्तर–

....

....

....

प्र.क्र.19– न्यायालय द्वारा पारित किन आदेशों के विरूद्ध पीड़ित को दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973, की धारा 372 के अधीन अपील करने का अधिकार है?–

Against which order passed by any Court, victim shall have right to prefer an appeal under section 372 of the Code of Criminal Procedure, 1973?

उत्तर–

....

....

....

प्र.क्र.20– दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 467 में उल्लेखित परिसीमा काल क्या है?

What is the period of Limitation specified in Section 467 of Criminal Procedure Code?

उत्तर–

....

....

....

The Indian Evidence Act, 1872

प्र.क्र.21– भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 1872, के अधीन "निश्चायक सबूत" से क्या अभिप्राय है?–

What does "conclusive proof" mean in the Indian Evidence Act, 1872?

उत्तर–

....

....

....

प्र.क्र.22– ऐसा साक्षी जो बोलने में असमर्थ है कैसे अपनी साक्ष्य दे सकेगा?

How a witness who is unable to speak may give his evidence?

उत्तर–

....

....

....

प्र.क्र.23– अभियुक्त से प्राप्त जानकारी में से कितनी जानकारी साबित की जा सकती है?
How much of information received from an accused may be proved?

उत्तर–

....

....

....

प्र.क्र.24– प्राथमिक साक्ष्य क्या है?

What is primary evidence?

उत्तर–

....

....

....

प्र.क्र.25– भारतीय साक्ष्य अधिनियम के अंतर्गत "न्यायिक अवेक्षा" शब्दावली से क्या अभिप्राय है?
What is the meaning of the term "Judicial notice" under the Indian Evidence Act?

उत्तर–

....

....

....

प्र.क्र.26– सबूत का भार क्या होता है?
What is burden of proof?

उत्तर–

....

....

....

प्र.क्र.27– "सूचक प्रश्न" को परिभाषित कीजिए?–
Define "Leading Question"?

उत्तर–

....

....

....

प्र.क्र.28– साक्षियों की परीक्षा का क्रम क्या है ?
What is the order of examination of witnesses ?

उत्तर–

....

....

....

The Indian Penal Code, 1860

प्र.क्र.29– बलात्कार की पीड़ित की पहचान का प्रकटीकरण भा.दं.सं. के किस प्रावधान के अंतर्गत दण्डनीय है?
Disclosure of identity of a victim of rape is punishable under which provision of IPC?

उत्तर–

....

....

....

प्र.क्र.30– भारतीय दण्ड संहिता, 1860, में उपबंधित प्रावधान के अनुसार यदि अपराध कारावास और जुर्माना दोनों से दण्डनीय हो, तो वह अधिकतम अवधि क्या होगी जिसके लिए जुर्माना देने में व्यतिक्रम होने की दशा के लिए न्यायालय अपराधी को कारावासित करने का निर्देश दे सकेगा?–

According to provision contained in the Indian Penal Code, 1860, if the offence be punishable with imprisonment as well as fine, what is the maximum term for which the court can direct the offender to be imprisoned in default of a fine?

उत्तर–

....

....

....

प्र.क्र.31– दण्ड के प्रकार बताइये ?

Describe the types of punishments?

उत्तर–

....

....

....

प्र.क्र. 32 – क को राजमार्ग पर पड़ी हुई अंगूठी मिलती है जो किसी व्यक्ति के कब्जे में नहीं है । इस अंगूठी को अपने पास रखकर क ने कौन सा अपराध किया है ?

A finds a ring lying on the high road, not in the possession of any person. A commits which offence by taking the ring ?

उत्तर–

....

....

....

प्र.क्र. 33 – क यह धमकी देता है कि यदि य ने उसको धन नहीं दिया तो वह य के बारे में मानहानिकारक अपमानलेख प्रकाशित करेगा । स्वयं को धन देने के लिये वह इस प्रकार य को उत्प्रेरित करता है । यहां पर क ने कौन सा अपराध किया है?

A threatens to publish a defamatory libel concerning Z unless Z gives him money. He thus, induces Z to give him money. Here A has committed which offence?

उत्तर–

....

....

....

प्र.क्र.34– भारतीय दण्ड संहिता, 1860, की धारा 97 के अंतर्गत किन अपराधो के विरूद्व सम्पत्ति की प्राईवेट प्रतिरक्षा का अधिकार उद्भूत होता है?–

Under section 97 of the Indian Penal Code, 1860, what are the offences against which the right to private defence of property arises?

उत्तर–

....

....

....

प्र.क्र.35– व्यपहरण के प्रकार बताइये?

Describe the kinds of kidnapping?

उत्तर–

....

....

....

प्र.क्र.36– बारह वर्ष से कम आयु की स्त्री के साथ बलात्संग के लिये न्यूनतम दण्ड कितना है?

What is the minimum punishment for committing rape on woman under 12 years of age?

उत्तर–

....

....

....

The Negotiable Instrument Act, 1881
(Section 138 to 142)

प्र.क्र.37– परिक्राम्य लिखित अधिनियम के अंतर्गत चेक के धारक के पक्ष में क्या उपधारणा की जावेगी?

What is the presumption in favour of holder of a cheque under Negotiable Instruments Act?

उत्तर–

....

....

....

प्र.क्र.38– परक्राम्य लिखत अधिनियम, 1881, की धारा 138 के अधीन किसी अभियोजन में कौन सी प्रतिरक्षा अनुज्ञात नहीं की जा सकेगी?–

Defence which may not be allowed in any prosecution under section 138 of the Negotiable Instrument Act, 1881?

उत्तर–

....

....

....

The Electricity Act, 2003

प्र.क्र.39– क्या विशेष न्यायालय दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 की धारा 173 के अधीन दाखिल की गई पुलिस अधिकारी की रिपोर्ट पर विद्युत अधिनियम के अधीन दण्डनीय अपराध का संज्ञान ले सकेगा?

Whether the Special Court can take cognizance of an offence punishable under the Electricity Act upon a report of a Police Officer filed under Sec. 173 of the Code of Criminal Procedure, 1973?

उत्तर–

....

....

....

प्र.क्र.40– क्या विशेष न्यायालय को अपने ही निर्णय या आदेश का पुर्नविलोकन करने की शक्ति है ? यदि हाँ तो सुंसगत प्रावधान उल्लेखित करिए –

Whether the Special Court has power to review its own judgement or order? If yes, mention the relevant provisions.

उत्तर–

....

....

....

(नीचे दिये गये प्रश्न क्रमांक 41 से 50 के हिन्दी वाक्यों को अंग्रेजी में अनुवाद करे।)

(Translate the following Hindi Sentence given in Question No. 41 to 50 into English)

प्र.क्र.41– दुर्घटना के समय मृतक सतपाल की आयु 40 वर्ष थी ।

उत्तर–

....

....

प्र.क्र.42– स्वीकृतियां निश्चायक सबूत नहीं है किन्तु वे विबन्ध के रूप में प्रवर्तित हो सकेगीं।

उत्तर–

....

....

प्र.क्र.43– न्यायालय को अवश्य याद रखना चाहिए कि उपधारणा हमेशा निर्दोषिता की होती है।

उत्तर–

....

....

प्र.क्र.44– दो माह से कम समय में स्थिति बद से बद्तर हो गई ।

उत्तर–

....

....

प्र.क्र.45– हमें अपने देश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और परम्पराओं पर गर्व होना चाहिए।

उत्तर–

....

....

प्र.क्र.46– ऐतिहासिक नगर उज्जैन क्षिप्रा नदी के किनारे बसा है/स्थित है।

उत्तर–

....

....

प्र.क्र.47– साक्ष्य का क्रमबंधन एवं साक्ष्य का मूल्यांकन निर्णय की रीढ़ है।

उत्तर–

....

....

प्र.क्र.48– किसी भी मौलिक अधिकार के प्रवर्तन के लिए रिट याचिका को सीधे सर्वोच्च न्यायालय में भी प्रस्तुत किया जा सकता है।

उत्तर–

....

....

प्र.क्र.49– अभियोजन पक्ष अपने मामले को संदेह से परे साबित करने में विफल रहा है।

उत्तर–

....

....

प्र.क्र.50– कर्मचारी के सेवानिवृत्ति देयकों को उपहार स्वरूप नहीं माना जा सकता, संविधान के अनुच्छेद 300क के अन्तर्गत यह उसका अधिकार है।

उत्तर–

....

....

****

केवल मूल्याँकनकर्ता के उपयोग हेतु/For Valuer use only	
प्राप्तांक/Marks Obtained	
प्राप्तांक (शब्दों में)/ Marks Obtained (in words)	
मूल्याँकनकर्ता के हस्ताक्षर/ Signature of Valuer	